

covered storage accommodation. At present 6,69,557 bags of wheat are stored in open on wooden crates covered with polythene covers and properly lashed with nylon ropes. Adequate steps are being taken for proper maintenance of stocks.

भूतपूर्व प्रधान मंत्री को आवास

25. श्री ब्रजसूषण तिवारी : क्या निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भूतपूर्व प्रधान मंत्री के लिये दिल्ली में आवास की क्या व्यवस्था की गई है ;

(ख) क्या भूतपूर्व प्रधान मंत्री के महरोलो स्थित फार्म में वातानुकूलित मकान निर्मित किया जा रहा है ; और

(ग) क्या सरकार ने उक्त मकान को बनाने के लिये कोई अनुदान दिया है; यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य क्या हैं ?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री सिकन्दर बल्ल) :

(क) भूतपूर्व प्रधान मंत्री को बंगला नं० 12, बिलिंगडन क्रीसेन्ट दिया गया है । उन्हें यह बंगला विभागीय प्रभार सहित मूल नियम 45-बी (2,824 रुपये प्रति भास) पर दिया गया है ।

(ख) सरकार को कोई ऐसी सूचना नहीं है ।

(ग) उपर्युक्त (ख) के उत्तर को देखते हुए, इस का प्रश्न ही नहीं उठता ।

Food Policy

26. SHRI M. N. GOVINDAN NAIR: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether new food policy has affected the prices of wheat;

(b) if so, the brief account thereof;

(c) whether the new food policy has affected the procurement of food-grains too; and

(d) if so, the facts thereof?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI PARKASH SINGH BADAL): (a) to (d). Government have decided to purchase all wheat of fair average quality offered for sale by the farmers at the price of Rs 110/- per quintal fixed for all varieties. Zonal restrictions on movement of wheat have been removed to enable the agriculturist to get even a higher price for his produce and to ensure better open market availability in the deficit states. Since the procurement this year will largely be by way of support only, the total procurement may be less than last year's. However, in view of the comfortable stock position of foodgrains with the Government and easy market availability, the demands of the public distribution system will be fully met and thus the open market prices would be kept under check.

गन्ने के मूल्यों में वृद्धि करने की मांग

27. डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : क्या कृषि तथा सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गन्ना उत्पादकों ने रासायनिक उर्वरकों के मूल्यों, बिजली की दरों, विभिन्न कृषि उपकरणों के मूल्यों और मजदूरी की दरों में वृद्धि करने की मांग की है ;

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की है; और

(ग) सरकार ने गन्ने का मूल्य निर्धारित करने के लिये क्या सामान्य कसौटी अपनाई है ?